गुप्त वेश में आया एक मुसाफिर
हमको एक नयी रहा देखाने
गुप्त रची उसने शक्ति सेना
पांडव का रचा सुंदर राज्य
गुप्त ज्ञान के रहस्य सब खोले
कर्म की गुह्य गति को समझाया
ऐसा परम पिता परम शिक्षक परम सतगुरु
बनकर एक रूप में अनेक कर्त्तव्य निभाये
गौउ मुख ले ब्रह्मा तन का ज्ञान अमृत पिलाया
सब कुछ सुनाने परमधाम से सृष्टि पर आया
सत्यनारायण टीजड़ी की सच्ची गाथा सुनाता
अंध श्रदा भक्ति की और कर्म कांड से छुड़ाता
गुप्त आत्मा है गुप्त परमात्मा, दिव्य नेत्र से
ज्ञान चक्षु दे उसका साक्षात्कार कराता
कोई न उनको जान पाया अदभूत निराला
नवीनता का पाठ गीता पाठशाला में जो
सिखाया
समझा जो भगवान् है हमें पढाता
सदगति का फल 21 जन्म वो पाता
जागो उठो धरती पर ज्ञान सूर्य है प्रकट हुआ
शिवरात्रि का शिव धरा पर है आया
सच्ची गीता भगवानुवाच का समय है आया
शास्त्रों को अब सार सुनो भविष्य अपना निर्माण
करो

ॐ शांति